(मैनुअल/कम्प्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा—जुलाई, 2014

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा स्कंध)

प्रश्न-पत्र—द्वितीय

बैच-I

समय : 10 मिनट पूर्णांक : 50

बच्चे हमारे समाज की एक बहुत बड़ी धन-दौलत होती है । इसलिए हमें बच्चों का हर 84
प्रकार से ख्याल रखना चाहिए । उनके लिए अच्छे खान-पान का ध्यान रखना हमारा प्रथम कर्तव्य 178
है । किसी भी देश का बचपन यदि स्वस्थ रहेगा तो हमारा भविष्य भी उज्ज्वल और 271
अच्छा तथा खूबसूरत रहेगा । किसी भी देश का यदि बचपन अस्वस्थ हो गया तो उस देश का 360
बहुत बड़ा दुर्भाग्य ही समझिए । आज जिस प्रकार की शिक्षा प्रणाली है और जिस प्रकार की 457
शिक्षा बच्चों को प्रदान की जा रही है वह बहुत ही कठिन है । आज की शिक्षा प्रणाली बहुत ही 554
महंगी और खर्चीली हो गई है । इस शिक्षा प्रणाली से बच्चों में शिक्षा के प्रति बहुत ज्यादा तनाव 660
रहता है । परीक्षा के दिनों में तो बच्चों में बड़ा भयंकर तनाव देखने को मिलता है । इस तनाव 755
के कारण होते हैं । इस तनाव के लिए बच्चे स्वयं इतने बड़े दोषी नहीं हैं, बल्कि इसके लिए 844
अभिभावक, अध्यापक, तथा शिक्षा नीति बनाने वाले शिक्षा शास्त्री सभी बराबर के दोषी हैं । 946
कई बच्चे पढ़ाई को गंभीरता से नहीं लेते, वे सोचते हैं अभी तो परीक्षा में काफी समय है । 1048
बाद में पढ़ाई करेंगे, परंतु समय बड़ी जल्दी-जल्दी व्यतीत हो जाता है, फिर सामने सिर के 1141
ऊपर परीक्षा खड़ी दिखाई देती है । उस समय बच्चों में तनाव का बढ़ना शुरू हो जाता है । 1235
इसलिए वह पढ़ाई करने में कतराते हैं और परीक्षा के दिनों में तनावग्रस्त हो जाते हैं । 1326

अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय-समय पर शिक्षा के प्रति उन्हें अच्छी 1415
प्रकार से जागरूक करें । इससे बच्चों को परीक्षा के दिनों में तनाव का सामना नहीं करना 1502
पड़ेगा तथा वे शांतिपूर्वक अपनी परीक्षा दे सकेंगे । समय से पूर्व परीक्षा की तैयारी न करने 1601
पर बच्चों में घबराहट होने लगती है । इस घबराहट के कारण बच्चों की मानसिक एकाग्रता 1690
भंग होने लगती है । इससे उनकी याद करने की स्मरण शक्ति कम होती जाती है । परीक्षा के कारण 1785
बच्चे ने जो याद किया है वह भी वह भूलने लगता है । घबराहट में जो कुछ उसने पढ़ा है, 1875
जो परीक्षा की तैयारी की है वह भी बेकार चली जाती है । परीक्षा में वह तनावग्रस्त हो जाता 1969
है, उसके हाथ कांपने लगते हैं जो कुछ उसे याद भी होता है घबराहट के कारण वह उत्तर 2060
जानते हुए भी उतनी जल्दी से लिख नहीं पाता । इसका परिणाम बेचारे बच्चों को भुगतना 2147
पड़ता है । 2160

हम अकसर देखते हैं कि परीक्षाओं में केवल कमजोर और पढ़ाई में कच्चे विद्यार्थियों 2250
को ही घबराहट और तनाव नहीं होता, बल्कि पढ़ाई में होशियार और अच्छे विद्यार्थियों को 2349

भी अत्यधिक तनाव होता है । कई विद्यार्थी तो अपनी क्षमता से अधिक अपेक्षाएं रखते हैं । 2447
उन्हें हमेशा डर लगा रहता है कि अगर उनका परिणाम उनकी अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं 2532
आया तो क्या करेंगे । अच्छा परिणाम न आने की आशंका से उन्हें हमेशा तनाव बना रहता 2620
है और डर लगा रहता है । और यही डर उनकी कार्यक्षमता को कम करता है जिसके कारण 2706
कई बार अच्छी तैयारी होने के बावजूद भी विद्यार्थियों को उनकी अपेक्षा के अनुकूल 2791
परिणाम नहीं प्राप्त होता । अभिभावकों का अनावश्यक दबाव भी बच्चों पर पड़ा रहता है । 2882
कई बार माता-पिता भी अपने बच्चों की शिक्षा की समर्थतता और कार्यक्षमता का सही 2975
और अच्छी प्रकार से आंकलन नहीं कर पाते । 3016